Exam. Code: 0010
Sub. Code: 0755

1059

B.A./B.Sc.(Hons.)-6th Semester

Hindi

Paper-IV (B)

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार दें। उत्तर सारगर्भित हों।

-*-*-*-

प्रश्न–1: (क) निम्नलिखित पंद्याशों में से **किसी एक** की संदर्भ सहित व्याख्या करें।

मित्र अगर होते तुम
मेरा अपयश या अपमान न होता
या तो यज्ञ न होता
अथवा ऐसा कल्कि विधान न होता
मित्र अगर होते तुम
मेरी आत्मा यों विद्रोह न करती,
भरी सभा में मेरी प्रिया
निरादृत होती और न मरती।

अथवा

दुर्दिन जब आते हैं
तो पहले
व्यक्ति का स्वतंत्र–बोध
चिंतन और प्रज्ञा हर लेते हैं।
अनायास
मन की वैचारिक स्थितियाँ
प्रतिबंधित कर देते हैं
पार्श्व में प्रसंगों में
लघुता भर देते हैं। (10)

(ख) 'एक कंठ विषपायी' नामक काव्य–नाटक में कवि ने किन समस्याओं को उठाया है, सविस्तार लिखें।

अथवा

'एक कंठ विषपायी' के आधार पर वीरिणी का चरित्र–चित्रण करें। (16)

प्रश्न–2: किन्हीं **चार** छन्दों के लक्षण–उदाहरण सहित स्पष्ट करें:–

भुजंग प्रयात, मालिनीं, मंदाक्रान्ता, शिखरिणी, अहीर, मानव, बरवै। (4×5)

प्रश्न–3: किन्हीं **चार** अलंकारों के लक्षण–उदाहरण सहित स्पष्ट करें:–

अन्योक्ति, तुल्य योगिता, उल्लेख, व्याज स्तुति, अनन्वय, विभावना। (4×5)

P.T.O.

प्रश्न–4: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें:–

(क) अवधी भाषा पर एक सारगर्भित नोट लिखें।

(ख) मानक हिन्दी की वाक्य संरचना पर प्रकाश डालें।

(ग) देवनागरी लिपि के गुणों का वर्णन करें।

(घ) राजभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालें। (2×12)

-*-*-*-